ग्लोबल सॉइल पार्टनरशिप की 12वीं पूर्ण सभा

[स्रोत: एफएओ](#)

वैश्विक एजेंडे में मृदा को स्थान देने तथा **समावेशी नीतियों और मृदा प्रशासन (Soil Governance)** को बढ़ावा देने के लिये **दिसंबर, 2012** में स्थापित **वैश्विक मृदा भागीदारी (GSP)** ने वैश्विक संकटों के बीच तात्कालिक कार्रवाई का आग्रह करते हुए एक महत्त्वपूर्ण बैठक का शुभारंभ किया।

- संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) इस भागीदारी की मेज़बानी करता है, जिसमें FAO के सदस्य के अतिरिक्त 700 से अधिक भागीदार शामिल हैं।
- वैश्विक मृदा भागीदारी (GSP) **तीन "आर": कम करने, पुनः उपयोग करने और नवीनीकृत करने** के आधार पर **सतत् मृदा प्रबंधन** सुनिश्चित करके **वर्ष 2030 तक विश्व की कम-से-कम 50% मृदा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने** और बनाए रखने के लिये प्रतिबद्ध है।
- **GSP की प्रमुख पहलें:**
  - **VACS पहल:** VACS पहल के तहत **FAO, मध्य अमेरिका और अफ्रीकी देशों में लचीली कृषि खाद्य प्रणालियों (SoilFER)** के लिये मृदा मानचित्रण परियोजना को लागू कर रहा है।
  - **अन्य पहल:** मृदा स्वास्थ्य को मापना, रिपोर्ट करना और सत्यापित करना, **वैश्विक मृदा प्रयोगशाला नेटवर्क गुणवत्ता प्रमाणपत्र, कृषि संरक्षण** और कृषि खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन में स्वस्थ मृदा की भूमिका शामिल है।
- **उपलब्धियाँ:**
  - विश्व मृदा दिवस (5 दिसंबर) का **क्रियान्वयन**
  - अंतर्राष्ट्रीय मृदा वर्ष 2015
  - संशोधित विश्व मृदा चार्टर

और पढ़ें: विश्व मृदा दिवस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-soil-partnership-s-12th-plenary-assembly